भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **2339** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 13 फ़रवरी, 2026/24 माघ, 1947 (शक) को दिया जाना है

समुद्री भारत विज़न (एमआईवी), 2030 पहल

† 2339. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरी:

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने गत तीन वर्षों में प्रमुख पत्तनों में कोई नई पत्तन विकास परियोजनाएं आवंटित की हैं, और यदि हां, तो विशेषकर आंध्र प्रदेश में उक्त परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त परियोजनाएं समुद्री भारत विजन (एमआईवी), 2030 पहल का हिस्सा हैं, और यदि हां, तो उक्त परियोजनाएं माल ढुलाई क्षमता और परिचालन दक्षता बढ़ाने में किस प्रकार योगदान देती हैं;

(ग) क्या हाल के वर्षों में सरकार के लिए पूंजीगत व्यय और सकल बजट सहायता में वृद्धि हुई है, और यदि हां, तो वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विशिष्ट आंकड़े क्या हैं;

(घ) क्या सरकार ने एमआईवी, 2030 के परिणामों की निगरानी के लिए कोई उपाय लागू किए हैं, जिसमें ट्रैकिंग पोर्टल या प्रकोष्ठ की स्थापना शामिल है, और यदि हां, तो तत्संबंधी विशिष्ट कार्य क्या हैं; और

(ङ) क्या उक्त पहलों से समुद्री क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है, और यदि हां, तो रोजगार सृजन के संबंध में क्या अनुमान प्रदान किए जा सकते हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ख): जी, हां। मैरीटाइम इंडिया विज़न (एमआईवी), 2030 के तहत लगभग ₹11,528 करोड़ के कुल निवेश के साथ महापत्तनों में लगभग 116 नए पत्तन विकास परियोजनाएं सौंपी गई हैं जिनमें विशाखापट्टणम पत्तन प्राधिकरण (वीपीए) में ₹760 करोड़ की 06 नई परियोजनाएं शामिल हैं जो आंध्र प्रदेश में एकमात्र महापत्तन है। इन परियोजनाओं में मुख्य रूप से कार्गो हैंडलिंग क्षमता को बढ़ाने मशीनीकरण, स्वचालन के जरिए प्रचालन कार्य-निष्पादन में सुधार और पत्तन प्रचालनों का प्रौद्योगिकीय उन्नयन, मल्टी-मोडल संपर्कता में सुधार, पत्तन प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और मानकीकरण, अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण और स्मार्ट और हरित पत्तन पहलों को अपनाने आदि पर फोकस किया जाता है।

(ग): जी, हां। विगत तीन वर्षों में मंत्रालय को सकल बजटीय सहायता का विवरण **अनुबंध–I** पर है।

(घ): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने एमआईवी 2030 के परिणामों को और अन्य समुद्री परियोजनाओं के परिणामों की निगरानी करने के लिए सागरमंथन पोर्टल स्थापित किया है।

(ङ): मैरीटाइम इंडिया विज़न (एमआईवी), 2030 से रोजगार के 20 लाख प्रत्यक्ष और परोक्ष अवसर रोजगार सृजित होने की अपेक्षा है।

अनुबंध-I

पिछले तीन वर्षों में मंत्रालय को सकल बजट सहायता का विवरण:

वर्ष	राशि (करोड़ रुपए में)
2022-23	1709.50
2023-24	2218.34
2024-25	2377.49

*****